

पाना परमाणु समाधि को जपिये १ म
गुनपति साहनामों साथी हरीदास बा
डीटकी साही रत्न दीपीति साधांस्त्री न
मिले पति साहनामों प्रीति । चोण्ड पति
उत्तरकी तीपति साहस्राधि लोड इनके
दरमपरम सुषुप्त होइ ज्ञागज्ञानामें तापन
तपिये तमबीहाष्टनाशकों जपिये २ म

हरिमहोबतिवोषेचित दोमफकीरनिद
डिहिनित जोगीजंगसम्बोभीमेष विमषन
जांहिवरते देष ३ माथेतिलकमुमिरनीहा
य आयआसिकोदेहेनाथ पेरसाहिक
बहुनकीजे जोमिदानविपुन्पकोहोजे ४
साचदेहकहतसुन्दुदेवांन जहांकछूमि
हरितहादीवांन बागबाबरीबकसहिक
वा धनीधरमतेजांनिनज्जैवा ५ जाचिग
आसलागिकेव्वावे घस्तर्व्वेनदुपईयापा
वे है इछुरकोसुनिसकहाजोई नामहक
मनरहईकोई ६ कोउआयकिनिमांडे
हाथ बोल्लघडीनाभेव्रानाथ स्पाहेंग
नैनतोयहसेत ज्ञेसेतरफरसबकोदे ७
परकेकाड्यधरीहैदे ह घोरिघोरिबरसेज्ञो
मेर घटपरव्रंतरहैनस्त्वल सहिसबति
कोसीचहिस्त्वल ८ दिनप्रतिदानपुंनिसों
तेर छायाकाबहुनआवेछेर सहिस
शबरमछुरीलोई श्रंगसंगजियहिकह
तसबकोई ९ निसदिनजीवपीवकेसी
चे किरपतकीड्योसुरीनभीचे परकी
जीयानिवारहिताप जहांघेरितहांमालिक

ग्राम ॥१०॥ पुनिस्तुकीति कीषोल्लेपेरि ॥ पुनिनिरप
धिनउर्भु अौरि ॥ पुनिपदतथ पुनहेलाल ॥
पुनेबोचया कोकाल ॥ ॥ ॥ पिरिरदधीनियासब
न गैर ॥ पुनिसरीभीबस्तुश्वेर ॥ साचकहतहें
मवाबीस ॥ पुनिबडोकीयोजरादीस ॥ १२ ॥ पु
तकाल्लुरित्तीजिनांव ॥ दाताहरकीहर्जी
गांव ॥ गरण्यन्नपथमाहिवेकेत्प्रौढ़ ॥ ताकीमहि
माकहतनभ्रौढ़ ॥ १३ ॥ दोहरा ॥ गंरण्यन्नपथ
दीवानके हितस्पोल्लोक्लोय ॥ ताकोदरस्त
देष्टते ॥ पापनरहईकोय ॥ १४ ॥ चौण्डि ॥ तोजा
कोदानपुनिस्पोचाव ॥ विधनाताकोदसदि
घाव ॥ हाष्टजोरिवेकीजेसेव ॥ मनिषनही
वहपरत्तिष्ठेदव ॥ १५ ॥ इत्तजरानकुलुमडी
वे परवेकुषपंचरेत्पोंधीव ॥ इनकीसदिन
रिकोनहिबीये ॥ रक्षिपत्रिक्षापविधाताकीये
॥ १६ ॥ पावपून्नकेपकरेगाहे ॥ इरेरहेदरसनी
वाहे ॥ श्रारवौरदेष्पोसुषनांहे ॥ पंषीतरवर
तडिकहांजांहे ॥ १७ ॥ कल्पविष्णुकलिजी
तरिक्षाया ॥ जोगीजतीविलंबेष्टाया ॥ दही
इधञ्चरचोषेचावर ॥ आसनबैरेश्वरहिर
वर ॥ १८ ॥ जनकेतनमहिरहीनमररि ॥ जनी

आप॥१०॥ पुंजिमुकीति कीषोल्लेपोरि॥ पुनिर्उप
धनउर्हु अौरि॥ पुनिपदरथ पुन्नेहैलाल॥
पुनेष्वाचैयाकोकाल॥॥॥ पिरिदष्टीनीयासब
न गोर॥ पुनिसरीषीबस्तुश्शोर॥ साचकहंतहंवि
मवाबीस॥ पुनिबडोकीयोजगादीस॥ सपा
तकालिभिन्नीजे नांव॥ दाताहीरकी दृजी
गांव॥ गरथ अरथ साहिबैकेल्लैवे॥ ताकीमहि
माकहतन अवै॥ १३॥ दोहरा॥ गरथ अरथ
योवानके हितंस्योंल्लैवेलोय॥ ताकोदरस्त
देष्टैं॥ पापनरहु कोय॥ १४॥ चौपट॥ तोजा
कोदंन पुनिस्योंचाव॥ विधनाताकोदसदि
षाव॥ हाष्टजेरिकेकीजे सेव॥ मनिषनही
बहपरतीष्टिदेव॥ १५॥ इत्तजरोनकुलमजी
वं परकेङ्गपंघरैज्योंधीव॥ इनकीसदिन
त्रिकोमहि बीये॥ रत्तिपचित्रापविधाताकीये॥
॥ १६॥ पावप्रन् केपकरेगाहे॥ घैरेरहेदरसनी
वाढ॥ अंरैरवरदेष्टोसुष्टनाहि॥ पंष्टीतरवर
तिकहाजाहि॥ १७॥ कलपविष्टकलिनी
तविक्षाया॥ जोरीजलतीबिलंबैष्टाया॥ दही
इधअरचोष्टचावर॥ असनबैरेअपरहिरा
तर॥ शप॥ जनकेतनमहिरहीनमरहि॥ जसी

न्त्रष्टुतियाहोइव ॥ जहांगरिनज्वकीयौकिव
दारिद्रुप रहेकोनेरो ॥ १४ ॥ साहनिया
रुपकीरत्न ॥ दारिद्रुषडारईपिल ॥ अतीतंत्र
भागतउल्लहिसाथ ॥ घटदरमनकीदिलत्त
हिहाथ ॥ २० ॥ बदनविल्लोकहिदिनश्चरैन ॥
तिरषागई नयोवित्तेवंन ॥ सुखसागरकीछां
दहितीर ॥ तेष्यासेकेणमरईबीर ॥ २१ ॥ सोहेडु
वादेहिदिनवाती वनिजारनिकीछूटीजाता
ती ॥ डितकौईच्छातितकौजांहि ॥ दानीपलो
पकेरनांहि ॥ २२ ॥ गंगव्यंगप्रभारहिलोई त
रनविरधपुरेसाकहाजीई ॥ दाननल्लोकौ
डीकोनी ॥ अकरकोयेतीरथकोपांनी ॥ २३ ॥
मारगमेहुवाष्पोन्मीहि मृदि ॥ रीविप्रगासति
मरनयोद्दरि ॥ हाष्ठनिटोडरप्राइलपाव ॥
सौनोनिसकउछारतजाव ॥ २४ ॥ दीसंच
ल्लोनावेकोईराती ॥ तनकौबावनल्लोगेता
ती ॥ केटकरहनतपांवहि मृदि चोरपटप
रादीहिमृदि ॥ २५ ॥ सबलनिबलकौदे
ईअंटी ॥ ताकीबरीनआवेबोटी ॥ टेटीटोटी
जेमहाभीर ॥ जोरजुलमकरिसकतनबीर ॥
२६ प्रातिसाहकीगोटेपोरि ॥ मानिसको
उनमारहदोरि ॥ कुंजरकीयेपकरिकेकरि ॥

प्रलकाफिरे हाथ नि कें नीरी २७ दोहना की
रति साहि सल्लै मकी जग जां पै सब को य
के डरते कीरी कीयि फिरहि पगान तरलो
म् २८ चौथई तो गोंद्रकी पै न पादे ग
यं कोर्नमारे के द्वाकू धाय तेजसाहि ब
कें तपई जन बेरा जाव गोषे क्यों मन २९ ज
होगी रै तेडरई सोरे मुगल्ल पवान विरध
कहा बारे फुंकिफुंकि पगाघरई लोई ची
टी करि न चलई कोई ३० जोई देषे सो
ई जागो इरि उगापा उपरिधरे न मूरि
जै सी बाघ नि ते सी चीटी उरती चागि
जायु क्यों जीटी ३१ वकरी सी घर है इक
साथ गरमें गरो हाथ मै हाथ जोर जुर
मकरि सकेन कोई पाल्ल बाल की नि कर से
लोई ३२ सत्र साहि के पके गाटे घर चु
गन कहि क्यों कै गोट हाथ हथ करी बेरी
याग मान कुड़िरो पटरै नाग ३३ पूवत
कीयि पकरि केराई गरबगुमान रहो नह
करि फूक सी साहि को सोई कबल डारा
डिके पकर स्यो मूल ३४ गारे अपने गने
न अरोर ताकी तोक फूर है न गोर अब स
बछा डिब्बा रकु असी रवि परगास

तर्हि सांकेसी उप रेहे चले बिधरम द्विधि।
 तेतो पकरि कीये जनन सीधि मीर मत्ति करो
 ना कहान ई छारे घरे हैर कपड़ि ३६ रुमाति
 साहि स्पौं कीनी टेक हिरे देखा कसन राष्यो
 मेले जहां जहां गायो तहां तहां लख्यो अं
 ति सु करन सरन ही छूद्यो ३७ जहां गी
 रतन कीये गोंन गोंन लगे न तातो पैंन
 सापन सांहि पकरि कें बोह चरन कंवल
 की बाष्यो छांह ३८ धन ही धरी निया हो
 हरि जनत न बांन न सांधि मरि अदलि
 साहि की आयो ब्रोट तो कों करि न से को
 च चोट ३९ दिनि कचित चरन नि कोंला
 गा तिल के जीया चलै हैं जागा कला पीबु
 छ की बैरे द्यायां तातो पैंन न लगे का
 या ४० प्राति साहि के मकरै पाई सोईरि
 एरि गोता कोंष्ठि जगत समद न स्पौं
 मनीरा घे वट साहि लगांवहि तोरा ४१
 जेपोंहि त्यों बृकहि तोहि सेष यासाहि नि
 यामी नन मेष जहां गीरजो पकरे छाथ
 दाविद छुपन रहि साथ ४२ दोहरा चित्
 वहि त्रिपाकरा छिज्जो होइ रंक तैं राव । तातो

सेवाड्गोगहे ज्ञहंगतिरकेपावृ ४३ गुन
प्राप्तिसाहिनांमैंसंपरनसमाप्तः १
उनषातनिनांमौ दोहरा रमयाषात्
णाषायली सोनांसवैसरीर डारुरिासैं
इरतीरही बरीकहोष्टाकीर १ चौपरि
जिहिपहलीष्टापांचौपूत ईपाष्टजो
गीजरात्र्मोधत सत्यासीष्टासौसौमुं
उद्घेहाष्टजाह्पांहमृउ २ डिगंबर
षाष्टाहेकेलडील बंनष्टेवसताष्टा
जील मंनीष्टामुंष्टान्नबोले षाष्टादर
वेसदसौदिसडोले ३ षाष्टादेवादोरां
श्ररन्तत षाष्टावरगवुररजमृत षाष्टा
तुकदयाडेहीरा षाष्टागुणीबजावतव
रा ४ षाष्टाबाराष्टावेगाहाट षाष्टाचो
रचात्लताबाट षाष्टाज्ञगतलहेनहीनेव
षाष्टाबाजररा अतिश्र्विमेव ५ षाष्टामुं
मांश्रधफरिमूले षाष्टामांमन्नामडेच्छले
षाष्टाज्ञोपादृजाहेहेई षाष्टासाधनकृत
ज्ञेई ६ षाष्टाज्ञनिजपहिनहीजाप षाष्टा
तकेतप्रताताप षाष्टाषुरिष्टवडावेवानी
षाष्टागरकगुफामहिनानी ७ षाष्टामै